सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 331 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 8 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

जब आपके पास एक मिलियन डॉलर है, तो आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं। जब आपके पास 10 मिलियन डॉलर हैं, तो आप पर संकट है, बहुत बड़ा सर दर्द।
-जैक मा

टी-20 विश्वकप से पहले लगा भारत... 7 | बिहार व बंगाल के बाद यूपी में... 3 | 'पीडीए प्रहरी' भाजपा पर रखें... 2

दोस्ती की कीमत और डसते रिश्ते

अमेरिका का भारत को 500 परसेंट तक का टैरिफ अल्टीमेटम

» दोस्ती की भाषा में दबाव अमेरिका ने दिया भारत को साफ संदेश

» टैरिफ बम और भरोसे का ब्लैकआउट क्या अमेरिका भारत को वेनेजुएला बनाना चाहता है?

» भारत झुकेगा या जवाब देगा? अमेरिकी टैरिफ और आत्मसम्मान की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 500 फीसदी तक का टैरिफ लगाने का इशारा कर दिया है। अमेरिकन संसद में पास किये गये बिल में इस बात का जिक्र है कि जो भी देश रूस से तेल आयात कर रहे हैं उनपर 500 परसेंट तक का टैरिफ लगाया जाए। ट्रंप लगातार इस बात का जिक्र अपनी मीडिया बाइट में कर रहे हैं कि वह भारत से इस मुद्दे पर खुश नहीं है। और उनके बयान के बाद इस दिशा में काफी तेजी भी दिखाई दे रही है। तो बयान के बाद क्या मान लिया जाए कि टैरिफ 50 फीसदी से बढ़कर 500 फीसदी हो जाएगा।

सोने की बड़ती कीमते, चांदी की कमी, महंगाई, रोजगार और डालर के प्रति रूपये में गिरवाट के बीच ट्रंप का यह तोहफा कहीं कोढ़ में खाज बनने वाली कहावत न चरितार्थ कर दे। 500 परसेंट टैरिफ का मतलब साफ है भारतीय निर्यात पर सीधा प्रहार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर दबाव आईटी और फार्मा जैसे क्षेत्रों में अनिश्चितता और रोज़गार पर असर। यह आर्थिक चोट अपने आप में गंभीर है लेकिन इससे भी बड़ा सवाल राजनीतिक है क्या यही है अमेरिका से दोस्ती की कीमत?

विकल्प कम दबाव ज्यादा

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति इस आशंका को और तेज करती है। ट्रंप का भारत प्रेम अक्सर मंचों तक सीमित रहा है जबकि व्यापार टैरिफ और वीजा जैसे मुद्दों पर सख्ती जमीन पर दिखती है। अमेरिका फर्स्ट के एजेंडे में दोस्ती की कोई जगह नहीं वहां सिर्फ उपयोगिता है और उपयोगिता खत्म होते ही दोस्ती भी। इस बीच भारत की परिधि में एक अजीब घेरा बनता दिख रहा है। पाकिस्तान पुराना दुश्मन है नेपाल रिश्तों में खटास दिखा चुका है और बांग्लादेश में सियासी अनिश्चितता है कनाडा पहले ही तल्खी का प्रतीक बन चुका है। सवाल यह नहीं कि भारत अकेला क्यों पड़ रहा है सवाल यह है कि क्या भारत की विदेश नीति किसी ऐसी रणनीति में फंस रही है जहां विकल्प कम और दबाव ज्यादा हैं?

अनुशासन का औजार बनती जा रही दोस्ती

इतिहास गवाह है कि अमेरिका जब भी मित्र देशों पर टैरिफ हथियार का इस्तेमाल करता है उसके पीछे सिर्फ व्यापार नहीं होता बल्कि भू राजनीति होती है। चीन, तुर्की, ईरान और यूरोपीय यूनियन इसके उदाहरण हैं। अब भारत का नाम इस पंक्ति में आना बताता है कि वाशिंगटन में दोस्ती अब रणनीतिक बराबरी नहीं बल्कि अनुशासन का औजार बनती जा रही है।

तेजी से बदल रही हैं शर्तें!

नया विश्व किसी घोषणा के साथ नहीं बदलता वह धीरे धीरे दोस्ती की शर्तें बदलकर बदलता है। आज भारत उसी चौराहे पर खड़ा हो गया है जहां हाथ मिलाने की तस्वीरें तो हैं लेकिन पीठ पीछे रखे खंजर भी दिखने लगे हैं। सवाल सीधा है क्या अमेरिका सच में भारत का मित्र है? या फिर वह वही सांप है जो दोस्ती करते करते जहर उतार देता है? अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक नजदीकियां बीते एक दशक में अभूतपूर्व रहीं। रक्षा समझौते, क्वाड, इंडो-पैसिफिक, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सब कुछ ऐसा लगा मानो भारत को आखिरकार वैश्विक मंच पर स्वीकृत कर लिया गया हो। लेकिन इतिहास गवाह है कि अमेरिका की दोस्ती स्थायी नहीं सशर्त होती है। वियतनाम, ईरान, इराक, अफगानिस्तान, और अब वेनेजुएला हर जगह पैटर्न एक जैसा है पहले साथ फिर दबाव और अंत में अपने हित।

वेनेजुएला तो एक मोहरा भर है

वेनेजुएला का संकट सिर्फ लैटिन अमेरिका की कहानी नहीं है। वह एक चेतावनी है कि जो देश अमेरिकी लाइन से हटता है उसकी अर्थव्यवस्था राजनीति और अंतरराष्ट्रीय साख तीनों पर चोट होती है। सवाल यह है कि क्या भारत जो आज रूस से तेल खरीदता है ईरान से रिश्ते रखना चाहता है और ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करता है क्या वह अगला मैनेज्ड फ्रेंड बनने की ओर बढ़ रहा है?

दोस्त-दुश्मन की धुंध

दुनिया अब ब्लाक में नहीं धुंध में बंट रही है। दोस्त और दुश्मन के बीच की रेखा धुंधली हो चुकी है। अमेरिका आज किसके साथ खड़ा होगा यह सवाल सिर्फ भारत के लिए नहीं पूरी एशिया पैसिफिक राजनीति के लिए अहम है। पाकिस्तान जो कभी अमेरिका का फ्रंटलाइन अलाय था अब एक बार फिर उपयोगी दिखने लगा है। अफगानिस्तान के बाद अमेरिका को क्षेत्र में नए संतुलन की तलाश है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य प्रभाव की चर्चा भी इसी बड़े खेल का हिस्सा मानी जा रही है। सवाल उठता है कि क्या भारत के पड़ोसी एक बार फिर अमेरिका की प्रयोगशाला बन रहे हैं? अगर अमेरिका पाकिस्तान या बांग्लादेश के साथ सामरिक संतुलन साधता है तो भारत की स्थिति आसान नहीं होगी। भारत पहले ही चीन के साथ सीमा तनाव हिंद महासागर में बढ़ती गतिविधियों और पश्चिमी दबावों से जूझ रहा है। ऐसे में मित्र देशों की संख्या घटती दिखना एक गंभीर संकेत है। भारत को तय करना होगा कि दोस्ती का मतलब क्या है। समानता या निर्भरता। अमेरिका के साथ रिश्ते जरूरी हैं लेकिन आंख बंद करके नहीं। वेनेजुएला की राख ट्रंप की बयानबाजी और बदलता वैश्विक माहौल एक ही बात कहता है कि दुनिया में स्थायी मित्र नहीं स्थायी हित होते हैं।

'पीडीए प्रहरी' भाजपा पर रखें सतर्क नजर: अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय के वोट हटाने की कोई भी साजिश सफल न हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर कड़े हमले किए है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को प्रत्येक मतदाता व 'पीडीए प्रहरी' से सतर्क रहने अपील की और यह सुनिश्चित करने को कहा कि पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समुदाय के वोट हटाने की कोई भी साजिश सफल न हो।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'पीडीए प्रहरियों' की कोशिशों के बावजूद समुदाय के करोड़ों वोट पहले ही हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हर मतदाता और हर एक 'पीडीए प्रहरी' से एक बार फिर ये अपील है कि पीडीए समाज के वोटों को काटने की किसी भी साजिश को कामयाब न होने दें।'पीडीए प्रहरी' के प्रयासों के बावजूद भी अभी भी पीडीए समाज के करोड़ों वोट काटे गये हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अब पीडीए प्रहरी को हर बूथ पर गहन जांच पड़ताल करनी है और 'एक भी वोट न कटने पाए, एक भी वोट न घटने पाए' के अपने नारे के साथ हम सबको फिर से जुट जाना है, हर एक वोट बचाना है। सपा मुखिया ने कहा कि ये वर्चस्ववादी अपनी मनमर्जी की सरकार बनाकर, ढाल की तरह हमारी रक्षा करनेवाले संविधान को ही ख़त्म कर देंगे अपना वोट बचाने

का मतलब अपना संविधान और अपने हक़ का आरक्षण व नौकरी बचाना भी है. याद रखिए अंत में हमेशा ग़रीब, शोषित, वंचित ही मारा जाता है। इसीलिए 'पीडीए समाज' के हर सदस्य से हमारी ये सीधी अपील है कि अपना वोट बनाएं, अपना भविष्य बचाएं!

काला कानून ला सकती है भाजपा सरकार

सपा नेता ने कहा,हर मतदाता को याद दिलाइए कि मतदाता सूची में आपके नाम का महत्व क्या है। आने वाले दिनों में मतदाता सूची में नाम न होने को आधार बनाकर कहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार कोई ऐसा काला कानून न ले आए, जिससे आपका नाम कागजों से गायब मानकर आपसे सबूत मांगे जाएं और आप अपने ही देश में बाहरी साबित कर दिए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ऐसा कानून बना सकती है, जिससे आपके सारे अधिकार, धन-दौलत, सोना-चांदी, जमा-पूंजी, जमीन-जायदाद सब छीन लिए जाएं।

निर्विरोध चुनाव लड़वाने का खेल, खेल सकती है भाजपा

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जो भाजपा सरकार निर्विरोध चुनाव लड़वाने का खेल, खेल सकती है, वे चुनाव में नाम काटने के लिए कुछ भी कर सकती है क्योंकि चुनाव जीतकर सरकार बनाना और फिर भ्रष्टाचार करना तथा जल, जंगल, जमीन पर कब्जा करना ही भाजपा और उनके संगी-साथियों की गुप्त मंशा है। यादव ने मतदाताओं से चौकन्ना रहने की अपील की और सजग होकर मतदाता सूची का हिस्सा बनने को कहा। इस महाभ्रष्ट भाजपा सरकार को हटाने को लिए वोट बनवाइए और अपनी नागरिकता बचाइए व चुनावों में भाजपा के खिलाफ़ वोट डालकर 'अपनी पीडीए सरकार' बनाइए!

2.89 करोड़ नाम काटना सबसे बड़ा वोट घोटाला: संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि यूपी में चुनाव आयोग और भाजपा ने मिलकर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। यह देश के इतिहास का सबसे बड़ा वोट घोटाला है।

» आप सांसद बोले- एसआईआर के नाम पर लोकतंत्र पर हमला

संजय सिंह ने कहा कि यह चुनाव सुधार नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से गरीब, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और मजदूर वर्ग को मताधिकार से वंचित करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि दिसंबर में राज्य निर्वाचन आयोग ने ग्रामीण क्षेत्रों की मतदाता सूची जारी की थी, जिसमें 12 करोड़ 70 लाख ग्रामीण मतदाता दर्ज थे। किंतु अब प्रधानमंत्री के निर्देश पर चुनाव आयोग द्वारा कराए गए एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के बाद 6 जनवरी को जो नई सूची जारी हुई है। उसमें पूरे यूपी के शहरी और ग्रामीण मिलाकर केवल 12 करोड़ 55 लाख मतदाता बताए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिसंबर में सिर्फ ग्रामीण मतदाता 12 करोड़ 70 लाख थे, तो अब शहरी मतदाता मिलाकर संख्या कैसे घट गई? आप सांसद ने कहा कि 25 लाख मतदाताओं को दो जगह नाम होने का बहाना बनाकर, करीब 2 करोड़ से अधिक मतदाताओं को शिफ्टेड या अनट्रेसेबल घोषित कर दिया गया।

बीजेपी व पीएमके विकल्प नहीं मजबूरी में साथ आए: एलंगोवन

» डीएमके ने गठबंधन पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके नेता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) ने तमिलनाडु में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन में इसलिए शामिल हुई है क्योंकि उसके पास कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने जोर देकर कहा कि डीएमके राज्य की जनता के साथ खड़ी है। चेन्नई में एएनआई से बात करते हुए एलंगोवन ने कहा कि उन्हें भाजपा के साथ जाना ही होगा क्योंकि उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है... डीएमके तमिलनाडु की जनता के साथ है, बाकी सब उनके खिलाफ हैं।

इससे पहले आज, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी पलानीस्वामी ने आगामी तमिलनाडु चुनावों से पहले पट्टाली मक्कल कच्ची को राज्य के राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन में शामिल करने की घोषणा की। पीएमके प्रमुख अंबुमणि रामदास के साथ चेन्नई में संबोधित करते हुए, पलानीस्वामी ने

जोर देकर कहा कि वे पहले से ही भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन में हैं और उन्होंने अपने गठबंधन में और अधिक पार्टियों को शामिल करने की संभावना भी जताई। पलानीस्वामी ने पत्रकारों से कहा कि पीएमके अध्यक्ष अंबुमणि रामदास भी एनडीए गठबंधन में शामिल हो गए हैं; और भी कई पार्टियों के गठबंधन में शामिल होने की उम्मीद है। हमारा गठबंधन विजय गठबंधन है। पलानीस्वामी के बयान का समर्थन करते हुए पीएमके प्रमुख ए. रामदास ने भी इसकी पुष्टि की और कहा, पीएमके ने एआईएडीएमके के साथ मिलकर एनडीए में गठबंधन किया है। इससे पहले दिन में, अंबुमणि रामदास ने चेन्नई स्थित ई. पलानीस्वामी के आवास पर उनसे मुलाकात की।

दुद्धी के विधायक विजय सिंह गोड़ का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश की अंतिम विधानसभा सीट दुद्धी से समाजवादी पार्टी के विधायक विजय सिंह गोड़ का निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से पूरे आदिवासी अंचल सहित राजनीतिक और सामाजिक जगत में गहरा शोक व्याप्त है। दुद्धी विधानसभा से लगातार सक्रिय रहे सपा विधायक विजय सिंह गोड़ को आदिवासी समाज की सशक्त आवाज के रूप में जाना जाता था। वे सादगी, सहज व्यवहार और संघर्षशील छवि के लिए जनता के बीच लोकप्रिय थे।

जल-जंगल-जमीन के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों को उन्होंने सदैव प्राथमिकता दी। विधानसभा में दुद्धी क्षेत्र के पिछड़ेपन और आदिवासी हितों को लेकर वे लगातार मुखर रहे। निधन की सूचना मिलते ही उनके आवास पर समर्थकों, स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की भीड़ जुटने लगी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। सपा नेतृत्व ने उन्हें जमीनी नेता बताते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन जनसेवा और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा।सपा जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने इसे पार्टी और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि हम लोगों के बीच रहकर संघर्ष करने वाला एक योद्धा आज हमारे बीच नहीं रहा।

शाह सरासर झूठ बोल रहे हैं : स्टालिन

» मुख्यमंत्री ने बोला- तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह आरोप कि तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत है और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। मुख्यमंत्री ने यहां एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों के लोगों की आस्थाओं का सम्मान करती है और उनके धार्मिक अधिकारों की रक्षा करती है।

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु जैसे राज्य में गृह मंत्री का यह आरोप कि हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। सच तो यह है कि राज्य में दंगे और विभाजन पैदा करने की मंशा रखने वालों की मानसिकता सफल नहीं हुई है।'' स्टालिन ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की घटना कभी नहीं होगी और ''हम इसे होने नहीं देंगे। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने जोर देकर कहा, ''जब तक यह स्टालिन यहां है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा।'' अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु के पुदुकोट्टई में एक जनसभा

के दौरान द्रमुक पर राज्य में हिंदू धर्म और हिंदुओं की भावनाओं को लगातार अपमानित करने का आरोप लगाया था। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने हिंदुओं पर हुए 'अत्याचारों' को लेकर स्टालिन सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू पूजा-पाठ के तरीकों का 'अपमान' किया जा रहा है और दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर भूमि पूजा के दौरान राज्य में 'अघोषित कर्फ्यू लगा दिया गया था'। शाह ने कहा, ''उनके (द्रमुक के) वरिष्ठ नेता सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया कहते हैं। हिंदू शोभायात्राओं और विसर्जन (हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन) पर रोक लगा दी गई है। मैं स्टालिन से कहना चाहता हूं कि आपने हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार करके संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन किया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

डीएमके कांग्रेस का दीर्घकालिक सहयोगी: मणिकम

» इंडिया गठबंधन में दरार की अटकलों पर लगाया विराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने 2026 के तमिलनाडु चुनावों से पहले इंडिया गठबंधन में दरार की अटकलों को खारिज करते हुए डीएमके को कांग्रेस का दीर्घकालिक सहयोगी बताया है। उन्होंने सीट बंटवारे पर समय पर बातचीत की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही भाजपा पर क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने का आरोप लगाया।

2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही, कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने राज्य में इंडिया गठबंधन में किसी भी तरह की दरार की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस और डीएमके मजबूती से एकजुट हैं और अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। तमिलनाडु में गठबंधन की स्थिति पर एएनआई से बात करते हुए, टैगोर ने विपक्षी गठबंधन के लिए राज्य के राजनीतिक महत्व और कांग्रेस-डीएमके संबंधों की गहराई को रेखांकित किया। टैगोर ने कहा कि तमिलनाडु एक महत्वपूर्ण राज्य है, और हम सभी जानते हैं कि इंडिया गठबंधन एक महत्वपूर्ण गठबंधन है, जिसमें कांग्रेस एक हिस्सा है और डीएमके इसकी प्रमुख सहयोगी है।

हमने आठ चुनाव एक साथ लड़े हैं, क्योंकि डीएमके कांग्रेस की दीर्घकालिक सहयोगी है। सीट बंटवारे को लेकर दोनों पार्टियों के बीच मतभेदों की खबरों पर बोलते हुए टैगोर ने गठबंधन में बदलाव की किसी भी संभावना से इनकार किया, हालांकि उन्होंने समय पर बातचीत की आवश्यकता को स्वीकार किया।

उन्होंने बुधवार को कहा कि मुझे नहीं लगता कि सहयोगी साझेदारों में बदलाव को लेकर कोई चर्चा होगी। कांग्रेस डीएमके की दीर्घकालिक सहयोगी है। कांग्रेस नेता चाहते हैं कि सीट वार्ता जल्द से जल्द पूरी हो जाए, क्योंकि किसी भी देरी से गठबंधन की छवि पर असर पड़ सकता है।

भाजपा क्षेत्रीय पार्टियों को कमजोर करना चाहती है

टैगोर ने तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति पर भी निशाना साधा और उस पर क्षेत्रीय पार्टियों को कमजोर करके अपना प्रभाव बढ़ाने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा किसी भी तरह से तमिलनाडु में प्रवेश करना चाहती है। वे एआईएडीएमके को खत्म करके उसकी जगह लेना चाहते हैं, क्योंकि वे आपसे दोस्ती करेंगे और धीरे-धीरे आपके वोटों को बटोर लेंगे। तमिलनाडु में एआईएडीएमके के साथ वे यही तरीका अपना रहे हैं।

बिहार व बंगाल के बाद यूपी में भी एसआईआर पर किचकिच

विपक्ष ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

» करोड़ों वोटरों के नाम कटने पर बवाल
» सपा व कांग्रेस ने प्रकि या पर साधा निशाना
» विस-27 चुनाव में भाजपा को घेरने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार चुनाव में उठा एसआईआर का मुद्दा बंगाल होते हुए यूपी भी पहुंच गया है। मंगलवार को एसआईआर के बाद वोटरो की संख्या जारी की गई है। जिसमें लगभग यूपी के तीन करोड़ नाम कटे है। इसको लेकर राजनीति चरम पर होने लगी है। कांग्रेस व सपा ने इसके पीछे साजिश बताया है। विपक्ष का कहना है कि विधान चुनाव 27 में चूकि भाजपा को हार मिलनी है इसलिए वह विपक्षी दलों केनाम कटवा रही जबकि चुनाव आयोग ने सारे काम पारदर्शिता से होने की बात कही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय से लेकर सपा प्रमुख ने अपने-अपने कार्यकर्ताओं से सजग रहने व निगरानी करने को कहा है।

वैसे भी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार सवाल खड़े करती रही है अब ऐसे में जब ड्राफ्ट सामने आया है तो सवाल उठता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिन सीटों पर समाजवादी पार्टी जीती थी वहां कितने प्रतिशत वोट कटे हैं। लोकसभा सीटों का इलाका सामान्यत: जिलों के आधार पर होता है, कई मामलों में एक जिले में एक से अधिक लोकसभा सीट या एक लोकसभा सीट एक से अधिक जिलों में विस्तृत होती है। उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची का संशोधित मसौदा जारी कर दिया गया है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, इस व्यापक शुद्धीकरण अभियान के सफल समापन के बाद प्रदेश में अब पात्र मतदाताओं की कुल संख्या 12.55 करोड़ दर्ज की गई है। इस प्रक्रिया के दौरान विभिन्न विसंगतियों को दूर करते हुए कुल 2.89 करोड़ नामों को मतदाता सूची से हटाया गया है।

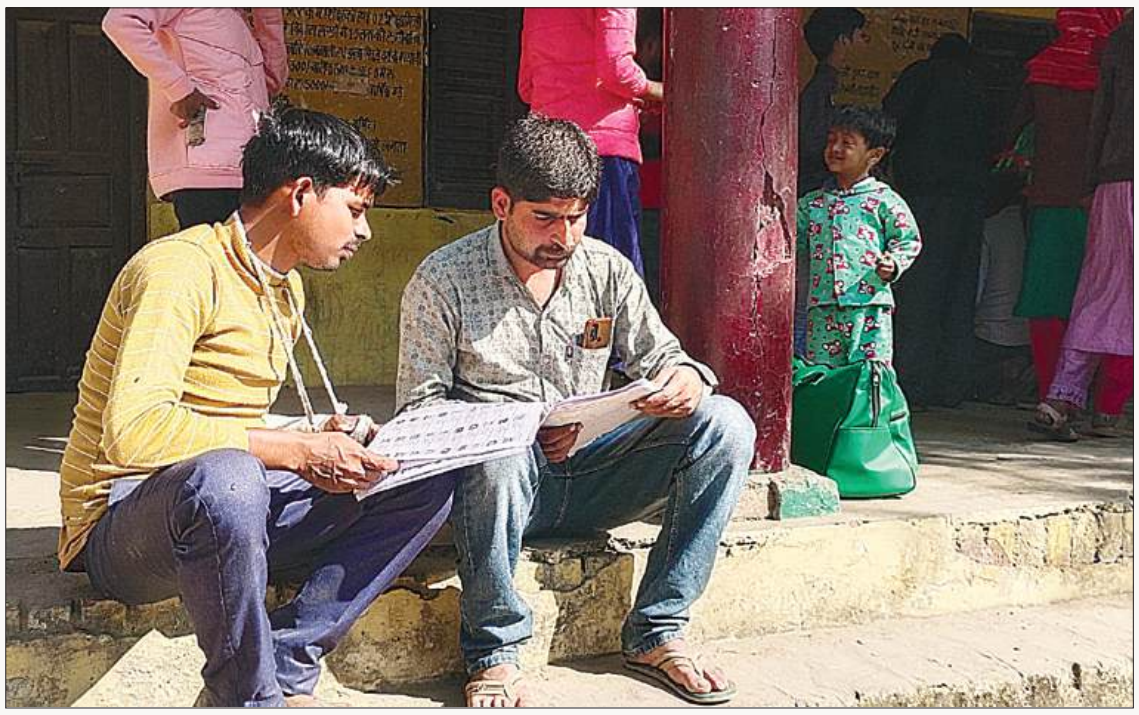

कैराना सीट पर 16 प्रतिशत वोट कटे

पश्चिम उत्तर प्रदेश से अगर बात शुरू की जाए तो इकरा हसन की सीट कैराना सीट पर 16 प्रतिशत वोटर कटे हैं। रुचि वीरा की सीट मुरादाबाद में 15.76 प्रतिशत नाम कटा है। रामपुर में 18.2 प्रतिशत वोट कटे हैं। बर्क परिवार की सीट संभल में 20 प्रतिशत वोट कटे हैं। मुलायम परिवार के अक्षय प्रताप की फिरोजाबाद में 18.13 प्रतिशत वोट कटे हैं। डिंपल यादव की मैनपुरी सीट में 16.17 प्रतिशत वोट कटे हैं। एटा में 16.80 प्रतिशत वोट काटे हैं। आदित्य यादव की बदायूं में 20.39 प्रतिशत प्रतिशत वोट कटे हैं, धौरहरा में 17.50, वोट कटे हैं, इटावा से 18.1 5 प्रतिशत वोट कटे हैं अखिलेश यादव की कन्नौज में 21.57 प्रतिशत वोट कटे है।

लखनऊ में मतदाताओं की संख्या में सबसे चौंकाने वाली गिरावट

सबसे ज्यादा राजधानी लखनऊ में मतदाताओं की संख्या में सबसे चौंकाने वाली गिरावट दर्ज की गई है। जब एसआईआरकी घोषणा की गई थी, तब लखनऊ में 39.9 लाख मतदाता थे। ड्राफ्ट लिस्ट के बाद यह संख्या घटकर अब मात्र 27.9 लाख रह गई है। करीब 30 प्रतिशत नाम काटे गए हैं।

मुरादाबाद व कानपुर में कई नाम कटे

मुरादाबाद में कुल 20 लाख 71 हजार 844 मतदाता दर्ज किए गए हैं। इनमें से 1 लाख 96 हजार 201 मतदाताओं को लो-मैपिंग की श्रेणी में रखा गया है, जिन्हें नोटिस भेजे जाएंगे। जिन बूथों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक थी, वहां नए बूथ भी बनाए गए हैं, जिनकी सूची सभी राजनीतिक दलों को दे दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, आगरा में 36.71 लाख मतदाताओं में से 9 लाख से अधिक नाम हटाए गए हैं, जिसके बाद अब वहां 27.63 लाख वोटर बचे हैं। कानपुर में 10 विधानसभा क्षेत्रों से कुल 9,02,148 नाम हटाए गए हैं, जो कुल वोटरों का 25.50 प्रतिशत है। जौनपुर की 9 विधानसभाओं में भी भारी कटौती देखी गई है, जहां जौनपुर सदर से 1,04,501 और मड़ियाहूं से 1,12,686 नाम काटे गए हैं, जबकि शाहगंज, मुंगरा बादशाहपुर और मछलीशहर जैसे क्षेत्रों में भी 50 से 70 हजार के बीच नाम हटाए गए हैं।

बागपत व फतेहपुर में कई गायब

बागपत जिले में एसआईआर प्रक्रिया के बाद कुल 1,77,300 मतदाता सूची से गायब पाए गए हैं पूर्व में यहां 9,76,798 मतदाता दर्ज थे, जो अब घटकर 7,99,499 रह गए हैं। विधानसभा के आंकड़ों के अनुसार, बड़ौत से 61,655, छपरौली से 59,247 और बागपत विधानसभा से 56,398 वोटरों के नाम हटाए गए हैं। फतेहपुर जिले में भी जिला प्रशासन की ओर जारी रिपोर्ट के अनुसार, 6 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 3,15,468 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। साल 2013 की तुलना में जहां यहां 19,32,442 मतदाता थे, वहीं 2025-26 के इस गहन सर्वे के बाद अब केवल 16,19,973 मतदाता ही शेष बचे हैं। प्रशासन के मुताबिक हटाए गए नामों में बड़ी संख्या मृतक और फर्जी वोटरों की है, जिनका डेटा सत्यापन के दौरान सही नहीं पाया गया।

प्रतापगढ़ से कौशांबी पर भी असर

अवध क्षेत्र की अगर बात की जाए तो लखनऊ की मोहनलालगंज सीट का आंकड़ा अलग से उपलब्ध नहीं है। रामभुवल निषाद के संसदीय क्षेत्र सुल्तानपुर के 17.19 फीसद वोट कटे हैं। प्रतापगढ़ के 19.8 प्रतिशत वोट कटे हैं कौशांबी में 18 फीसद कटे है, बुंदेलखंड के हिस्से की बात की जाए तो जालौन में 16.34 फीसद हमीरपुर में 10.78 प्रतिशत बांदा में 13,फतेहपुर में 16.3 प्रतिशत वोट कटे है।

पूर्वांचल में भी लगेगा झटका?

बात अगर पूर्वांचल से लगे जिलों की कीजाए तो चंदौली में 15.45% आफजाल अंसारी के गाजीपुर में 13.85%, बाबू सिंह कुशवाहा के क्षेत्र जौनपुर में 16.5%, सनातन पांडे के क्षेत्र बलिया में 18.6%, राजीव राय के इलाके मऊ की घोसी सीट पर 17.5%, लालगंज सीट पर 15.25%, संत कबीर नगर में 19.96%, बस्ती में 15.70%, श्रावस्ती में 16.3% और लाल जी वर्मा के अंबेडकर नगर में 13.8% नाम कटे हैं।

वाराणसी व बरेली में कई नाम हटे

वाराणसी में लगभग 18 प्रतिशत मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि जिन लोगों के नाम कटे हैं, उनके पास अभी भी फॉर्म 6 भरकर दोबारा जुड़ने का विकल्प मौजूद है। वहीं, ललितपुर में 27 सितंबर 2025 तक यहां 9.5 लाख मतदाता पंजीकृत थे, जो अब घटकर 8.6 लाख रह गए हैं। यह लगभग 9.95प्रतिशत की कमी है। बरेली में कुल 21 प्रतिशत यानी 7 लाख 16 हजार 509 मतदाताओं के नाम सूची से कटने का दावा सामने आया है। सबसे ज्यादा असर बरेली शहर और बरेली कैंट विधानसभा क्षेत्रों में देखा गया है, जहां बड़ी संख्या में मतदाता सूची से बाहर हो गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट के मुताबिक पहले जिले में कुल 34 लाख 5 हजार 64 मतदाता दर्ज थे, जो अब घटकर 26 लाख 91 हजार 67 रह गए हैं। मौजूदा सूची में 14 लाख 82 हजार 546 पुरुष, 12 लाख 8 हजार 468 महिला और 53 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

इटावा व रायबरेली में वोटरों की संख्या घटी

इटावा में भी 2.33 लाख वोटरों की कटौती हुई है, जिससे यहां अब कुल 9,96,613 योग्य मतदाता बचे हैं। रायबरेली में कुल 3.48 लाख हटाए गए नामों में 67,808 मृतक, 1.70 लाख स्थानांतरित और 29,336 डुप्लीकेट मतदाता शामिल थे। चंदौली में भी 2.30 लाख मतदाता सूची से बाहर हुए हैं। गाजियाबाद के जिलाधिकारी के अनुसार, जिले में करीब 71.17 प्रतिशत (20,19,815) पुराने वोट सही पाए गए हैं, जबकि 28.84 फीसदी यानी 8,18,362 मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। शहरी क्षेत्र और इंडस्ट्रियल टाउन होने के कारण यहां फ्लोटिंग पॉपुलेशन (आने-जाने वाली आबादी) अधिक है, जिस वजह से बड़ी संख्या में लोग अब अपने पुराने पते पर नहीं मिले। विधानसभावार देखें तो साहिबाबाद में सर्वाधिक 38.32न वोट कटे हैं, जबकि लोनी में 26प्रतिशत, गाजियाबाद सदर में 25.36 प्रतिशत, मुरादनगर में 23.67 प्रतिशत और मोदीनगर में 15.4 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

बुंदेलखंड में भी सुधार का व्यापक असर

बुंदेलखंड और पूर्वांचल के जिलों में भी सुधार का व्यापक असर दिखा है। झाँसी की चार विधानसभाओं में कुल 2,19,612 नाम काटे गए, जिनमें सर्वाधिक 65,905 नाम झांसी सदर से कम हुए हैं। बांदा में मतदाताओं की संख्या 13.49 लाख से घटकर 11.74 लाख रह गई है, यानी यहां 1.75 लाख नाम हटाए गए. जालौन में 2.12 लाख और गाजीपुर में 4.08 लाख मतदाताओं के नाम लिस्ट से डिलीट हुए हैं। बलिया में जिला प्रशासन ने करीब 4.50 लाख नाम हटाए हैं, जिसके बाद जिले में अब 20.54 लाख मतदाता ही शेष हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

दहेज हत्या पर रोकथाम एक सामूहिक दायित्व

समाज सुधार के दृष्टिकोण से दहेज हत्या की रोकथाम एक सामूहिक दायित्व है। इसके लिए समाज को अपनी रूढ़ मानसिकता में परिवर्तन लाना होगा। दहेज को प्रतिष्ठा से जोड़ने की सोच समाप्त कर सादगी और समानता को अपनाना आवश्यक है। परिवार और समुदाय स्तर पर बेटियों को सम्मान, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का अवसर दिया जाए।

आज के समय में जब लड़कियां हर क्षेत्र में लड़कों के साथ कदम से कदम बढ़ा चल रही हों ऐसे में दहेज के नाम पर किसी दुल्हन की हत्या कर दी जाए तो ऐसे समाज को बहिष्कृ त कर देना चाहिए। 22वीं सदी की ओर जाते भारत में दहेज हत्या की खबरें निहायत दर्दनाक व समाज के मुंह पर एक करारा चांटा है। समाज में इस बुराई को दूर हटना अति आवश्यक है। सबसे पहले तो समाज दहेज को प्रतिष्ठा का पैमाना न मानें। समाज सुधार के दृष्टिकोण से दहेज हत्या की रोकथाम एक सामूहिक दायित्व है। इसके लिए समाज को अपनी रूढ़ मानसिकता में परिवर्तन लाना होगा। दहेज को प्रतिष्ठा से जोड़ने की सोच समाप्त कर सादगी और समानता को अपनाना आवश्यक है। परिवार और समुदाय स्तर पर बेटियों को सम्मान, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का अवसर दिया जाए। सामाजिक संस्थाएं, पंचायतें और स्वयंसेवी संगठन दहेज विरोधी संकल्प और जागरूकता कार्यक्रम चलाएं। दहेज लेने-देने वालों का सामाजिक बहिष्कार हो तथा पीड़ित महिलाओं को संरक्षण और सहयोग मिले। इस प्रकार निरंतर सामाजिक प्रयासों से स्वस्थ और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण संभव हो सकता है।

दहेज हत्या भारतीय समाज की घोर सामाजिक बुराई है, जो दहेज प्रथा से जन्म लेती है। इसे रोकने के लिए सामाजिक स्तर पर ठोस प्रयास जरूरी हैं। शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाकर दहेज के दुष्परिणामों को उजागर करें। स्कूलों-गांवों में कार्यशालाएं आयोजित करें। महिलाओं को शिक्षा व आर्थिक स्वतंत्रता देकर सशक्त बनाएं, ताकि वे दहेज की मांग का विरोध कर सकें। समुदाय स्तर पर दहेज-मुक्त विवाह की शपथ लें और ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करें। युवा पीढ़ी दहेज न लेने-देने का संकल्प ले। सामाजिक बहिष्कार व सम्मान से मानसिकता बदले। दहेज हत्या जैसी अमानवीय प्रवृत्ति की रोकथाम के लिए समाज को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। दहेज को सामाजिक अपराध मानते हुए सामूहिक अस्वीकृति जरूरी है। विवाह में दिखावे और लेन-देन का विरोध हो तथा सादगी को प्रोत्साहन मिले। परिवारों को बेटियों को बोझ नहीं, समान अधिकारों वाला सदस्य मानने की सोच विकसित करनी होगी। पंचायत, धार्मिक और सामाजिक संस्थाएं जागरूकता अभियान चलाकर दहेज विरोधी संदेश दें। पीड़ित महिलाओं को सामाजिक समर्थन और कानूनी सहायता मिले। दहेज मांगने वालों का सामाजिक बहिष्कार हो। जब समाज एकजुट होकर खड़ा होगा, तभी दहेज हत्या पर प्रभावी अंकुश लग सकेगा। दहेज हत्या की रोकथाम के लिए स्थानीय सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन दहेज लेने वालों का बहिष्कार करने की नीति बनाएं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गैर जिम्मेदार तंत्र की नाकामी से उपजा संकट

ज्ञानेंद्र रावत

बीते दिनों इंदौर शहर के भगीरथपुरा क्षेत्र में सीवर अवशेष प्रदूषित पानी के सेवन के कारण 16 से अधिक लोगों की मौतें हो चुकी हैं। अस्पतालों में लगभग 200 लोग भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है और 32 मरीज आईसीयू में भर्ती हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि इंदौर में बोरिंग के पानी में भी मल-मूत्र का बैक्टीरिया पाया गया है। लोग अब एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी साफ पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर हैं। जब बात सबसे स्वच्छ शहर की हो, तो इस स्थिति में देश के अन्य शहरों की हालत क्या होगी? यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है, बल्कि गुजरात के गांधीनगर को भी इंदौर जैसे हालात का सामना करना पड़ रहा है। यहां दूषित पानी पीने से 100 से अधिक लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हो चुके हैं। दिल्ली के लोग भी हर साल दूषित पेय जलापूर्ति की समस्या से जूझते हैं।

कई बस्तियों में गंदे पानी की आपूर्ति का मामला अभी भी एनजीटी में विचाराधीन है। एनजीटी की सख्ती के बाद अब दिल्ली जल बोर्ड ने इस इलाके की दशकों पुरानी और क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को बदलने का काम शुरू किया है। यह बात भी गौर करने लायक है कि दिल्ली के जल शोधन संयंत्रों में लिए गए 33 सैंपल फेल पाए गए हैं। इंदौर का मामला पूरी तरह से सरकारी लापरवाही का जीता-जागता सबूत है। काफी दिनों से इंदौर के भगीरथपुरा के लोग दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत कर रहे थे। लेकिन जिला प्रशासन और अधिकारियों पर उनकी शिकायतों का कोई असर ही नहीं हुआ। उनकी नींद तब खुली जब दूषित पानी पीने से दस्त और उलटी से लोगों की मौत होने लगी और पीड़ित लोगों की तादाद 3000 के पार पहुंच गयी। उस समय हाई कोर्ट ने तत्काल लोगों को साफ पीने का पानी मुहैया कराने और पीड़ितों का हरसंभव नि:शुल्क इलाज कराने का आदेश दिया। इसके साथ ही, नगर निगम के अपर आयुक्त, जल कार्य निगम के अधीक्षण अभियंता को निलंबित और आयुक्त को हटाने के साथ तीन नगर आयुक्तों की नियुक्ति कर दी। इलाके में सप्लाई किये जाने वाले नर्मदा के पानी के सैंपल लेने का काम शुरू किया।

जांच में मल-मूत्र मिश्रित होने की पुष्टि हुई तब नगर निगम ने वहां के बोरिंग के पानी के सैंपल लिए। बोरिंग के 69 सैंपलों में से 35 जांच में फेल पाये गये। नर्मदा जल जांच के बाद अब बोरिंग के पानी में भी फीकल कोलीफार्म

बैक्टीरिया की मौजूदगी सामने आयी है, जिससे हैजा फैला। इंदौर मेडिकल कालेज की रिपोर्ट भी पुष्टि करती है कि भगीरथपुरा में एक पाइपलाइन में लीकेज के कारण पीने का पानी दूषित हुआ और यह बीमारी फैली। अस्पतालों में भर्ती पीड़ित रोगियों में टायफायड के लक्षण भी पाये गये हैं। डाक्टरों का तो इन पीड़ितों में हैपेटाइटिस-ए जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने का अंदेशा है। वहीं उलटी-दस्त के संक्रमण के कारण कुछ मरीजों की किडनी भी प्रभावित हुई है। ऐसे रोगियों की स्थिति सुधरने में दूसरे रोगियों की तुलना में काफी समय लगेगा। सरकार हाईकोर्ट में दावा कर रही है कि हालात काबू में हैं जबकि अस्पतालों में पीड़ितों के पहुंचने का सिलसिला अभी भी जारी है। दुखद यह है कि अभी भी प्रभावित क्षेत्र भगीरथपुरा में पेयजल संकट बरकरार है। एनएचआरसी ने भी इंदौर के भगीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के मामले पर स्वत: संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर उनसे दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। देश में नीति आयोग की मानें तो हर साल दूषित पानी पीने से दो लाख लोगों की मौत होती है, विशेषज्ञ इनकी तादाद कहीं ज्यादा बताते हैं। नीति आयोग की मानें तो देश में तकरीबन 60 करोड़ लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है। इससे 6 फीसदी जीडीपी का नुकसान होता है। पेयजल की गुणवत्ता के मामले में हमारे देश का दुनिया के 122 देशों में 120वां स्थान है। असलियत में दूषित पानी पीने से होने वाली मौतें विकास के दावों को मुंह चिड़ाती प्रतीत होती हैं। इससे जल जीवन मिशन की नाकामी साबित होती है। शुद्ध पेयजल की व्यवस्था में नाकामी में सरकारी अनियमितताओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

उसका जीता-जागता सबूत हैं शुद्ध पेयजल की आपूर्ति और सीवर लाइन के लिए स्वीकृत 1.93 लाख करोड़ की परियोजनाओं में अभी तक केवल 44 हजार करोड़ के काम पूरे हो पाना। जबकि इनकी अवधि इसी मार्च में पूरी हो रही है। पीने के पानी की लाइनों का पुराना होना, मरम्मत और देखभाल का अभाव, खराब योजना और डिजाइन, जल संचय का अपर्याप्त प्रबंधन, शुद्धीकरण के लिए व्यवस्था और निगरानी की कमी, और उपभोक्ता स्तर पर घरों से पानी के सैंपल लेकर जांच की व्यवस्था न होना, साथ ही भ्रष्टाचार, इन सभी कारणों से जल आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होती है।

मादुरो पर अमेरिकी हमले का फेंटानिल एंगल

पुष्परंजन

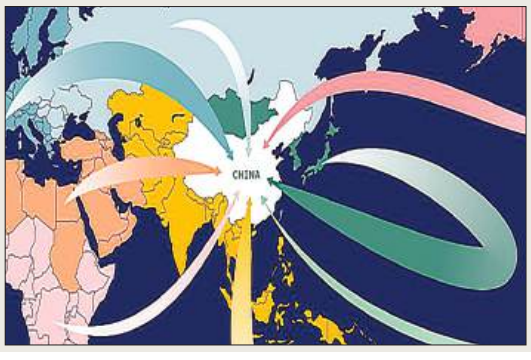

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर अमेरिका में नशीले कारोबार का सूत्रधार होने का आरोप लगाते रहे हैं, जिसके मूल में अमेरिकी युवाओं की रगों में जहर घोलने वाले उच्च तीव्रता के फेंटानिल की तस्करी शामिल रही है। कुछ जानकार बताते हैं कि फेंटानिल ही अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को फर्स्ट लेडी समेत हिरासत में लेने की सबसे बड़ी वजह रही है। जबकि वेनेजुएला के प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी लिप्सा किसी से छिपी नहीं है। दरअसल, फेंटानिल, धीरे-धीरे दुनियाभर में सुर्खियों में नजर आ रहा है। अटलांटिक के इस पार यह दवा उतनी प्रचलित नहीं है, लेकिन अमेरिका के अनुभवों को देखते हुए यह स्थिति बदलने वाली है। फेंटानिल एक ऐसी समस्या है, जो शायद ही कभी हल होगी। यह ड्रग, हेरोइन से सौ गुना अधिक घातक है।

इसके लिए गांजे या अफ़ीम की खेती की ज़रूरत नहीं है। लैब में तैयार फेन्टानिल, एक शक्तिशाली दर्द निवारक दवा है, जो मॉर्फिन से 50 गुना अधिक असरदार है। इसे मूल रूप से बेल्जियम के रसायनज्ञ पॉल जैन्सन द्वारा संश्लेषित किया गया था। इस दवा का उपयोग बड़ी सर्जरी के लिए होता रहा है, या फिर कैंसर से होने वाले असहनीय दर्द को कम करने में फेंटानिल उपयोगी है। भले ही रासायनिक रूप से इसका अफीम से कोई संबंध न हो, मगर यह दवा मॉर्फिन और हेरोइन के समान ओपिओइड रिसेप्टर्स के साथ रिएक्ट करती है, इसलिए इसे 'ओपिओइड' कहा जाता है। हमारे शरीर में ऐसे रसायन निकलते हैं, जो हमें अच्छा महसूस कराते हैं, ये उन गतिविधियों को बूस्ट करते हैं, जैसे खान-पान का स्वाद लेने, या फिर यौन व्यवहार में। शरीर में अच्छा महसूस कराने वाले रसायनों की मात्रा बढ़ने के कारण ही ओपिओइड की लत लोग लगा लेते हैं। मतलब, दर्द निवारण के लिए निर्मित फेंटानिल, मौज-मस्ती का साधन बन चुका है। गंभीर चुनौती यह है कि फेंटानिल की लत एक बार लग गई तो उससे छुटकारा मौत के बाद ही मिल पाता है।

साल 1960 के दशक से ही फेंटानिल के मूल तत्व में कई बदलाव और सुधार किए गए हैं, जिससे इसके अनेक प्रकार के वेरिएंट तैयार हुए हैं, जिनका शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होता है। उदाहरण के लिए, 'कार्फेंटानिल', मॉर्फिन से हजारों गुना अधिक शक्तिशाली है। 'कार्फेंटानिल' का उपयोग, उन्मत हाथियों को शांत करने के लिए किया जाता है। हेरोइन और कोकीन जैसी दवाओं के साथ फेंटानिल को मिलाने से इसकी शक्ति नाटकीय रूप से बढ़ जाती है। केवल दो मिलीग्राम फेंटानिल एक वयस्क के लिए घातक हो सकता है। फेंटानिल अमेरिका के ओपिओइड संकट का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। सही से देखा जाये, तो हाल ही में यह खबर आई कि पिछले आठ महीनों में ब्रिटेन में फेंटानिल के कारण कम से कम 75 लोगों की मौत हो चुकी है। लेकिन, अमेरिका में इस दवा के कारण मरने वालों की संख्या के मुकाबले यह कुछ भी नहीं है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, '2024 में ड्रग ओवरडोज से 1,07,543 अमेरिकियों की मौत हुई, जिसमें फेंटेनाइल की वजह से 76,000 से ज़्यादा मौतें हुईं। 2025 तक अमेरिका में ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों की दर दोगुनी से ज्यादा हो गई, इसका बड़ा कारण फेंटानिल की सप्लाई में बढ़ोतरी थी।'

डेटा एनालिसिस से पता चलता है, कि फेंटानिल की तस्करी में शामिल लोगों में 75 फीसद अमेरिकंस, करप्ट सिस्टम और पुलिस की सांठगांठ से लगे हुए हैं। ड्रग तस्करी में मात्र 25 प्रतिशत प्रवासी संलग्न दिखे। अर्थात अपने ही घर में ट्रम्प प्रशासन इसे रोक पाने में नाकारा साबित हुआ है। भारत में अंडरवर्ल्ड के गिने-चुने सयाने, फेंटानिल को समझ पाए हैं। 2018 में इंदौर में एक अवैध फेंटानिल लैब का भंडाफोड़ हुआ। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की रिपोर्ट से पता चलता है, कि 'सिनालोआ ड्रग कार्टेल' से जुड़ा एक भारतीय नागरिक शुरू में संगठन को फेंटानिल प्रीकर्सर केमिकल, एनपीपी और एएनपीपी सप्लाई करता था, जिसे कार्टेल से जुड़ा एक चीनी नागरिक फेंटानिल बनाता था और उसे भारत के बरास्ते मैक्सिको भेजता था। दिसंबर, 2018 में, मुंबई एंटी-नारकोटिक्स सेल ने लगभग 100 किलोग्राम 'फेंटानिल प्रीकर्सर एनपीपी' जब्त किया, जिसमें चार भारतीय पकड़े गए। 6 जनवरी, 2025 को न्यूयॉर्क में गुजराती ड्रग तस्कर, भावेश लाठिया को गिरफ्तार किया गया। भावेश, 'रक्सटर केमिकल्स' का संस्थापक और 'एथोस केमिकल्स' का पूर्व निदेशक रहा है।

भावेश लाठिया पर आरोप है कि उसने एक प्रीकर्सर केमिकल पर गलत लेबल लगाकर उसे एंटासिड बताया था। कोई पांच महीना पहले, 18 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट पर एक हेडलाइन नुमायां हुई- 'फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के कारण भारतीय कंपनी के अधिकारियों और परिवार के सदस्यों के अमेरिकी वीज़ा रद्द।' बताया गया, कि नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के आधार पर कुछ बिजनेस और कॉर्पोरेट लीडरशिप के वीजा रद्द कर दिए हैं। दरअसल, फेंटानिल से गर्भ-नाल का सम्बद्ध चीन का रहा है। शी चिनफिंग का यह देश, फेंटानिल निर्माण से लेकर दुनियाभर में सप्लाई का नेटवर्क संभाले हुए है, जिसमें ज्यादातर लैटिन अमेरिकी देश शामिल हैं। मादुरो तो सबसे कमज़ोर मुर्गा है। कार्रवाई दरअसल, चीन पर होनी चाहिए थी।

गले में खराश को झट से दूर कर सकते हैं ये घरेलू उपाय

सर्दियों के मौसम में गले में खराश, दर्द और हल्की सूजन होना एक आम शिकायत है। यह अक्सर ठंडी और रूखी हवा, वायरल संक्रमण (जैसे सामान्य सर्दी-जुकाम), या प्रदूषण के कारण होता है। गले की खराश तब होती है जब गले के ऊतकों में सूजन आ जाती है, जिससे खाना निगलना और बोलना मुश्किल हो जाता है। हमारी भारतीय रसोई में कई ऐसे पुराने घरेलू उपाय मौजूद हैं जो बिना किसी साइड इफेक्ट के गले की खराश को दूर कर सकते हैं और संक्रमण से लड़ते हैं। इन उपायों का मुख्य लक्ष्य गले के बैक्टीरिया को मारना, बलगम को पतला करना और दर्द से तुरंत आराम दिलाना होता है। इन सरल तरीकों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके, आप ठंड के कारण होने वाली गले की परेशानी को जड़ से खत्म कर सकते हैं।

हल्दी वाले दूध का सेवन

हल्दी वाला दूध अंदरूनी संक्रमण से लड़ने के लिए उत्कृष्ट विकल्प है। इसके लिए आप रात को सोने से पहले गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी और थोड़ी सी काली मिर्च मिलाकर पिएं। हल्दी में मौजूद एक्टिव कंपाउंड करक्यूमिन एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट है जो गले के संक्रमण को तेजी से ठीक करता है और शरीर को अंदर से गर्माहट देता है।

नमक के पानी के गरारे

गले की खराश दूर करने का सबसे आसान और प्रभावी उपाय गुनगुने नमक के पानी से गरारे करना है। इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच सादा नमक मिलाकर दिन में 3 से 4 बार गरारे करें। यह नमक गले की कोशिकाओं से अतिरिक्त तरल पदार्थ को खींचकर सूजन कम करता है और गले में जमा बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है।

शहद और अदरक का मिश्रण

शहद और अदरक का मिश्रण गले की खराश के लिए एक रामबाण है। इसके लिए आप एक चम्मच अदरक के ताजे रस में एक चम्मच शुद्ध शहद मिलाकर धीरे-धीरे चाटें। शहद गले पर एक सुखदायक परत बनाता है, जबकि अदरक में मौजूद जिंजरॉल नामक तत्व दर्द और सूजन को तुरंत कम करने का काम करता है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक को यह कॉम्बीनेशन फायदा पहुंचाता है। आयुर्वेद के अनुसार अदरक और शहद का मिश्रण कफ को कम करता है। खांसी को दूर करने में अदरक और शहद बहुत कारगर हैं। जिन लोगों को सांस संबंधी बीमारियां हैं उनमें भी अदरक और शहद लाभकारी है।

अजवाइन और तुलसी की भाप

गले और श्वसन मार्ग की सूजन को कम करने के लिए भाप लेना बहुत जरूरी है। इसके लिए गर्म पानी में 5-6 तुलसी के पत्ते और आधा चम्मच अजवाइन डालकर उबाल लें। सिर को तौलिये से ढककर इस पानी की भाप लें। तुलसी और अजवाइन के वाष्प बलगम को पतला करते हैं, जिससे गले की खराश और बंद नाक से तुरंत आराम मिलता है।

हंसना मना है

1 सेठ सेठानी में बहस हो गई कि उनके 1 मात्र लड़के के लिये गांव की बहू लाऐं या शहर की! सेठानी-गांव की लाऐंगे.. क्योंकि वह घर का काम करेगी! सेठजी-वे गंवार होती हैं.. उन्हें शहर के तौर-तरीके नही आते हैं! आखिर सेठानी कि जिद पर 1 गांव पहुंचे.. सेठजी-बेटी जरा मैंगो शेक ले आओ! लड़की रसोईघर में गई.. 4 आम लिये.. तवे पर सेका.. मसाला डाला और प्लेट में ले आई..! सेठ सेठानी इस मैंगो शेक को देखते ही रह गए.. अब सेठजी के कहने पर शहर में लड़की देखने गये! सेठानी -बेटी जरा पापड़ सेक लाओ! लड़की किचन में गई.. 4 पापड़ लिए.. मिक्सर में डाले.. पानी मिलाया और गिलास में भर कर ले आई.. और बोली-लीजिये पापड़ शेक! छोरा अभी भी कुंवारा ही है.. कोई नजर में हो तो बताना?

मस्त जिंदगी किसे कहते हैं? खाने को रोज़ थाली हो दो टाइम की कामवाली हो, पड़ोसन नखरे वाली हो, सुन्दर सी 1 साली हो और घरवाली का दिमाग खाली हो?

पप्पू ने पार्क में एक लड़की को छेड़ दिया... लड़की गुस्से में पप्पू की मां के पास गई और बोली- अपने आवारा बेटे को संभाल लीजिए, वर्ना जल्द आप दादी बन जाएंगी।

कहानी | बगुला भगत और केकड़ा

एक जंगल में आलसी बगुला रहा करता था। वह इतना आलसी था कि कोई काम करना तो दूर, उससे अपने लिए खाना ढूंढने में भी आलस आता था। जिससे पूरा-पूरा दिन उसे भूखा रहना पड़ता था। एक बार बगुला को एक आइडिया सूझा। वह नदी के किनारे एक कोने में जाकर खड़ा हो गया और मोटे-मोटे आंसू टपकाने लगा। उसे इस प्रकार रोता देख केंकड़ा उसके पास आया और पूछा, अरे बगुला भैया, क्या बात है? रो क्यों रहे हो? बगुला बोला, क्या बताऊं केंकड़े भाई, मुझे अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा है। अपनी भूख मिटाने के लिए मैंने आज तक न जाने कितनी मछलियों को मारा है। मैंने यह वचन लिया है कि अब मैं एक भी मछली का शिकार नहीं करूंगा। केंकड़े ने कहा, अरे ऐसा करने से तो तुम भूखे मर जाओगे। बगुले ने कहा किसी और की जान लेकर अपना पेट भरने से तो भूखे पेट मर जाना ही अच्छा है। कल त्रिकालीन बाबा मिले थे और उन्होंने मुझसे कहा कि कुछ ही समय में 12 साल के लिए सूखा पड़ने वाला है, जिस कारण सब मर जाएंगे। केंकड़े ने यह बात तालाब के सभी जीवों को बता दी। बगुले ने कहा, यहां से कुछ कोस दूर एक तालाब है। हम सभी उस तालाब में जाकर रह सकते हैं। मैं एक-एक को अपनी पीठ पर बैठा कर वहां छोड़कर आ सकता हूं। उसकी यह बात सुनकर सारे जानवर खुश हो गए। अगले दिन से बगुले ने अपनी पीठ पर एक-एक जीव को ले जाना शुरू कर दिया। वह उन्हें नदी से कुछ दूर ले जाता और एक चट्टान पर ले जाकर मार डालता। इस तरह उस चट्टान पर जीवों की हड्डियों का ढेर लगने लगा था। बगुला नें सोचा दुनिया भी कैसे मूर्ख है। इतनी आसानी से मेरी बातों में आ गए। एक दिन केंकड़े ने बगुले से कहा, तूम हर रोज किसी न किसी को ले जाते हो। मेरा नंबर कब आएगा? तो बगुले ने कहा, ठीक है, आज तुम्हें ले चलता हूं। उसने केंकड़े को अपनी पीठ पर बिठाया और उड़ चला। जब केंकड़े ने वहां अन्य जीवों की हड्डियां देखी तो उसने बगुले से पूछा कि ये हड्डियां किसकी हैं और जलाशय कितना दूर है? बगुला जोर जोर से हंसने लगा और बोला, कोई जलाशय नहीं है और ये सारी तुम्हारे साथियों की हड्डियां हैं, जिन्हें मैं खा गया। यह बात सुनते ही केंकड़े ने बगुले की गर्दन अपने पंजों से पकड़ ली। कुछ ही देर में बगुले के प्राण निकल गए। इसके बाद, केंकड़ा लौट कर नदी के पास गया और अपने बाकी साथियों को सारी बात बताई। उन सभी ने केंकड़े को धन्यवाद दिया और उसकी जय जयकार की।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा।

वृषभ

धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

मिथुन
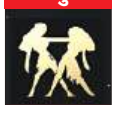
स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें।

कर्क

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें। दु:खद समाचार मिल सकता है।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कन्या

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करें।

तुला

बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृश्चिक

फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कुसंगति से हानि होगी। अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है।

धनु
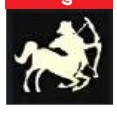
पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर

नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

मीन

व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य करें।

बॉलीवुड | मन की बात

करियर के शुरुआती दौर को याद कर भावुक हुईं ड्रीम गर्ल

धर्मेंद्र के निधन के बाद से हेमा मालिनी सुर्खियों में हैं। उन्होंने कई मौकों पर धर्मेंद्र के साथ अपने रिश्ते को याद किया है। अब उन्होंने अपनी जिंदगी के उतार चढ़ाव के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने बताया कि चेन्नई और दिल्ली जैसे शहरों से आने के बाद उन्हें मुंबई में क्या दिक्कतें हुईं। उन्होंने छोटे अपार्टमेंट में जिंदगी जीने के संघर्ष के बारे में बताया है। हेमा मालिनी फिल्म सपनों का सौदागर की शूटिंग के दौरान बांद्रा के एक छोटे से अपार्टमेंट में रहती थीं। यहां रहना उनके लिए थोड़ा मुश्किल था क्योंकि वह दक्षिण भारत में अपने परिवार के साथ एक बड़े घर में रहती थीं। अपनी जिंदगी पर लिखी गई किताब हेमा मालिनी: बियॉन्ड द ड्रीम गर्ल के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि हर रात मुझे लगता था कि कोई मेरा गला घोंटने की कोशिश कर रहा है। मुझे सांस लेने में दिक्कत होती थी। मैं अपनी मां के साथ सोती थी। उन्होंने देखा कि मैं कितना बेचैन थी। अगर ऐसा सिर्फ एक या दो बार होता, तो मैं इसे नजरअंदाज कर देती लेकिन ऐसा हर रात होता था। एक बार हेमा मालिनी फिल्म के सेट पर थीं। तभी उनके पिता का फोन आया। उन्होंने हेमा को साउथ मुंबई के एक जाने-माने इलाके वाल्केश्वर जाने के लिए कहा, जहां उन्होंने एक सी-फेसिंग अपार्टमेंट का इंतजाम किया था। पिता की कोशिशों के बावजूद, हेमा मालिनी को यह अपार्टमेंट पसंद नहीं आया। फिल्म पूरी होने के बाद हेमा मालिनी बंगला में रहने लगीं। हेमा मालिनी ने 1980 में धर्मेंद्र से शादी की, तब चीजें कुछ आसान हुईं। धर्मेंद्र का नवंबर 2025 में निधन हो गया। उनके निधन से हेमा मालिनी समेत फिल्म जगत की कई हस्तियों को बड़ा झटका लगा।

अब 15 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला

बॉलीवुड | चर्चा

अक्षय कुमार अपने कई प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म वेलकम टू द जंगल का टीजर जारी किया है। अब उनकी एक और अपकमिंग फिल्म भूत बंगला को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने इसकी रिलीज की नई तारीख का ऐलान किया है।

अक्षय कुमार की आने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की नई रिलीज डेट आ गई है। यह फिल्म अब 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बालाजी मोशन पिक्चर्स ने इंस्टाग्राम पर इसका एक पोस्टर जारी किया है। इसमें अक्षय कुमार लालटेन लेकर एक टीले पर बैठे हैं। पोस्टर पर लिखा है 15-05-2026। इसके कैप्शन में लिखा है बंगले से एक खबर आई है। दरवाजे 15 मई 2026 को खुलेंगे। सिनेमाघरों में मिलते हैं।

फिल्म के निर्माताओं ने पहले इसकी रिलीज डेट 2 अप्रैल, 2026 बताई थी। हालांकि अब यह कन्फर्म हो गया है कि फिल्म एक महीने बाद सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बताया जाता है कि धुरंधर 2 की वजह से मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। धुरंधर 2 इसी साल 19 मार्च को रिलीज होगी।

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। 25 साल बाद अक्षय और तब्बू भूत बंगला में फिर से साथ आ रहे हैं। शोभा कपूर और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स, अक्षय कुमार की केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर, भूत बंगला को प्रोड्यूस कर रही हैं। फिल्म की कहानी आकाश ए. कौशिक ने लिखी है। रोहन शंकर ने डायलॉग लिखे हैं, और अभिलाष नायर और प्रियदर्शन ने स्क्रीनप्ले लिखा है। फिल्म में दिवंगत एक्टर असरानी भी नजर आएंगे।

अब मैं उन्हीं फिल्मों को चुनती हूं जो मेरी आर्टिस्टिक क्षमता को निखारें : तापसी पन्नू

तापसी पन्नू अभिनय के अलावा अपने बेबाक बयानों को लेकर भी पहचानी जाती हैं। वो अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती रहती हैं। अब तापसी पन्नू ने अपने करियर को लेकर बात की और बताया कि कैसे कई फ्लॉप के बाद उन्हें अपने करियर की राह मिली। साथ ही एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि कोई फिल्म चुनते वक्त उनके लिए क्या बात सबसे मायने रखती है।

तापसी पन्नू ने लगातार फ्लॉप फिल्मों और दिल टूटने के बाद अपनी असली पहचान की खोज के बारे में खुलकर बात की। तापसी ने कहा कि मुझे अपनी असली पहचान पाने के लिए लगातार कई फ्लॉप फिल्मों और दिल तोड़ने वाले अनुभवों से गुजरना पड़ा। मुझे एहसास हुआ कि मैं उन फिल्मों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करती हूं, जिनमें मेरा दिल और दिमाग पूरी तरह से उस चीज से जुड़ा होता है जिसे मैं पेश कर रही हूं। उस प्रोजेक्ट का दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव होता है। इसलिए अब मैं सिर्फ अपनी अंतरात्मा की सुनती हूं। मैं शायद उन प्रोजेक्ट्स को नहीं चुनती जो मेरे बैंक खाते को बढ़ाएं, बल्कि उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरी आर्टिस्टिक क्षमता को निखारें। एक ऐसा नया रास्ता बनाएं जिस पर ज्यादा लोग नहीं चलते।

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने कुछ ऐसे प्रोजेक्ट और भूमिकाएं चुनीं जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। हालांकि, तापसी द्वारा लिए गए कुछ अलग तरह के काम और किरदारों ने उन्हें सफलता दिलाई। तब से वह पारंपरिक फॉर्मूले की परवाह किए बिना अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करती हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपना खुद का एल्गोरिदम बनाया है। तापसी आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'खेल खेल में' नजर आई थीं। यह मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म थी। इसके बाद अब उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में वो लड़की है कहां?, गांधारी और 'दुर्गा' जैसी फिल्में शामिल हैं। वो 'दुर्गा' की शूटिंग भी शुरू कर चुकी हैं।

अजब-गजब | दुनिया का इकलौता देश, जिसने लिया था अमेरिका से पंगा

अमेरिका से बैर लेने पर हुआ था इस देश का खौफनाक अंजाम

आधी रात अचानक अमेरिका ने वेनेजुएला पर अटैक कर देश को अपने कंट्रोल में ले लिया। ऐसा कई बारे होता है जब पावरफुल देश अपने से कम ताकतवर देशों को कब्जे में लेते हैं। लेकिन इतिहास के पन्नों में कई ऐसे पल भी दर्ज हैं जहां छोटे देशों ने बड़ी ताकतों को चुनौती दी।

इन किस्सों में जापान की कहानी सबसे अलग और सबसे दर्दनाक है। यह दुनिया का वो इकलौता देश है जिसने अमेरिका जैसी उभरती महाशक्ति से सीधे पंगा लिया और उसके अंजाम ने पूरी दुनिया डरा दिया। जहां कोई भी देश अमेरिका से सीधे बात करने से डरता था, वहीं जापान ने ऐसा कुछ किया, जिसका अंजाम उसे चार साल बाद चुकाना पड़ा।

7 दिसंबर 1941 का वो काला दिन जब पर्ल हार्बर पर जापानी विमानों ने अचानक हमला बोल दिया था। अमेरिकी नौसेना के बेड़े पर बमबारी की गई, जहाज डूबे, हवाई जहाज तबाह हुए। इसमें 2,403 अमेरिकी मारे गए और 1,178 घायल हुए। जापान का मकसद था प्रशांत महासागर में अपना वर्चस्व कायम करना और अमेरिका को युद्ध से दूर रखना। लेकिन यह हमला अमेरिका के लिए 'आक्रामकता का दिन' बन गया। राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने इसे 'इन्फेमी का दिन' कहा और अमेरिका द्वितीय विश्वयुद्ध में कूद पड़ा। जापान ने सोचा था कि यह आश्चर्यजनक हमला अमेरिका को हिलाकर रख देगा, लेकिन इसका उल्टा हुआ। अमेरिका की पूरी ताकत जुट गई। चार साल तक खूनी युद्ध चला। प्रशांत महासागर में द्वीप-द्वीप पर लड़ाई हुई, जहां अमेरिकी सेना ने जापान को पीछे धकेल दिया। जापान की सेना कमजोर पड़ती गई, लेकिन वो हार नहीं मान रहे थे। तब अमेरिका ने वो करने का फैसला किया, जिसका अंजाम पूरी दुनिया को भुगतना पड़ा।

जब जापान ने अमेरिका के सामने हार मानने से मना कर दिया तब अंत में 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने पहला एटम बम 'लिटिल बॉय' हिरोशिमा पर गिरा दिया। एक पल में पूरा शहर तबाह हो गया। मशरूम क्लाउड आसमान में उठा और 70,000 से ज्यादा लोग तुरंत मारे गए। तीन दिन बाद 9 अगस्त को दूसरा बम 'फैट मैन' नागासाकी पर गिराया गया। यहां भी तबाही मची, हजारों जिंदगियां खत्म हो गई। कुल मिलाकर 1.5 से 2 लाख लोग इन बमों से मारे गए और आने वाली पीढ़ियां विकिरण से प्रभावित रही। यह दुनिया में पहली और अब तक आखिरी बार किसी देश पर परमाणु हथियार इस्तेमाल किया गया। पूरी दुनिया स्तब्ध रह गई। सोवियत संघ ने भी जापान पर हमला बोल दिया। जापान के पास कोई चारा नहीं बचा। 15 अगस्त 1945 को सम्राट हिरोहितो ने रेडियो पर घोषणा करते हुए बताया कि जापान ने बिना शर्त सरेंडर कर दिया है। 2 सितंबर 1945 को यूएसएस मिसौरी पर सरेंडर साइन किया गया। इस घटना ने दुनिया को सिखाया कि अमेरिका जैसी ताकत से टकराना कितना महंगा पड़ सकता है। तब से आजतक किसी अन्य देश ने ऐसा करने की गलती नहीं की है।

ये है दुनिया की सबसे महंगी मछली एक बेचकर बन सकते हैं करोड़पति

दुनिया में कई चीजें इतनी महंगी होती हैं कि एक बार बिकने से इंसान करोड़पति बन सकता है। क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी मछलियां होती है, जो इतनी रेयर होती हैं कि उन्हें कई करोड़ रुपए में बेचा जा सकता है। ऐसी ही एक मछली है ब्लूफिन टूना फिश! जापान के टोयोसु फिश मार्केट में 5 जनवरी 2026 को नई साल की पहली नीलामी में एक विशाल पैसिफिक ब्लूफिन टूना रिकॉर्ड 510 मिलियन येन (लगभग 3 I2 मिलियन डॉलर या 29 करोड़ रुपये) में बेची गई। यह अब तक की सबसे महंगी मछली है। ऑक्शन में बिकी ये मछली 243 किलोग्राम (535 पाउंड) की थी। इस मछली को ओमा इलाके से पकड़ा गया था, जहां सबसे बेहतरीन क्वालिटी की ब्लूफिन टूना मिलती है। नीलामी में सुशी चेन 'सुशी जन्मई' के ओनर कियोशी किमुरा (जिन्हें 'टूना किंग' कहा जाता है) ने सबसे ऊंची बोली लगाई। यह उनकी परंपरा है कि हर साल नई साल की पहली नीलामी में रिकॉर्ड बोली लगाते हैं, ताकि उनकी ब्रांड वैल्यू बढ़े और ग्राहकों को लगे कि सबसे ताजा और बेस्ट सुशी उनके पास ही मिलती है। ब्लूफिन टूना को 'ओटोरो' (सबसे फैटी हिस्सा) के लिए जाना जाता है, जो सुशी और साशिमी के लिए प्रीमियम है। इसकी कीमत इसलिए इतनी ज्यादा है क्योंकि यह दुर्लभ है। ओवरफिशिंग और जलवायु परिवर्तन से इसकी संख्या घटी है। IUCN इस फिश को 'एंडेंजर्ड' माना है। जापान में नीलामी साल की शुरुआत का बड़ा इवेंट है, जहां मछली की क्वालिटी, फ्रेशनेस, फैट कंटेंट और साइज पर बोली लगती है। इस साल की मछली इतनी बड़ी और परफेक्ट थी कि पिछले रिकॉर्ड्स को तोड़ दिया। पिछले सालों में भी किमुरा ने लाखों-करोड़ों में टूना खरीदे हैं। 2019 में उन्होंने 3 मिलियन डॉलर से ज्यादा में एक टूना खरीदा था। यह नीलामी ना सिर्फ बिजनेस है, बल्कि मार्केटिंग का बड़ा टूल भी है। इसे खरीदने के बाद मछली को सुशी में बदलकर लाखों ग्राहकों तक पहुंचाते हैं।

बिहार में एकबार फिर घर को लेकर तकरार

बिहार निवास को ढहाने की साजिश कर रही एनडीए सरकार: शक्ति यादव

» इमारत तुड़वा सकते हैं, लालू प्रसाद यादव का नाम नहीं मिटा सकते

» ईर्ष्या मिटाने के लिए धन बर्बाद कर रही जदयू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एकबार फिर घर को लेकर सियासी घेराबंदी आरंभ हो गई है। अबकि बार दिल्ली स्थित बिहार निवास को लेकर बवंडर मच गया है। आरजेडी का आरोप है कि लालू यादव का नाम हटाने के लिए सरकार बिहार निवास को ढहाकर वहां नई बिल्डिंग बनाने की तैयारी की जा रही है। आरजेडी ने इस निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव का कहना है कि बिहार निवास में शिलापट्ट पर लालू का नाम लिखा हुआ है इसलिए उसको तोड़कर वहां पर नई इमारत बनाई जाएगी। नीतीश सरकार की कुंठित मानसिकता और आरजेडी व लालू के प्रति ईर्ष्या के कारण ऐसा हो रहा है।

वर्ष 1994 में यह भवन बना, तब लालू प्रसाद मुख्यमंत्री हुआ करते थे। चहेते ठेकेदारों की जेब भरने के लिए नया भवन बनाया जाएगा, जबकि हाल ही में दो करोड़ रुपये खर्च कर बिहार निवास का सुंदरीकरण हुआ है। यह भवन अगले 50-60 सालों तक मजबूती से खड़ा रह सकता है। ऊंचाई पर होने के कारण यहां जलजमाव की समस्या भी नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली स्थित बिहार भवन की हालत जर्जर है जो इनके द्वारा बनाया गया। पानी टपकता है, वहां कोई रहना नहीं चाहता, लेकिन उसको सरकार हाथ नहीं लगा रही क्योंकि वहां पर लालू यादव का नाम नहीं लिखा है। बिहार आज 3 लाख करोड़ से अधिक के कर्ज में डूबा है। ऐसे गरीब राज्य की गाढ़ी कमाई को सिर्फ अपनी ईर्ष्या मिटाने के लिए बर्बाद करना कहां का न्याय है? शक्ति यादव ने कहा, एक भव्य, सुंदर और मजबूत इमारत को जमींदोज कर 500 करोड़ रुपये से अधिक की बर्बादी सिर्फ इसलिए की जा रही है ताकि नीतीश अपना नाम चमका सकें। नीतीश जी, आप इमारत तुड़वा सकते हैं, शिलापट्ट हटा सकते हैं, लेकिन लालू प्रसाद यादव ने सामाजिक न्याय और गरीबों के उत्थान के लिए जो कार्य किए हैं, उसे इतिहास और बिहार की जनता के दिलों से नहीं मिटा सकते।

जदयू-बीजेपी पर राजद का पलटवार

कलंक को न मिटाया जा सकता है न धोया जा सकता है : नीरज

इस पूरे विवाद पर जेडीयू की ओर से आरजेडी को जवाब दिया गया। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि कलंक को न मिटाया जा सकता है न धोया जा सकता है. तकनीकी ।वश्यकता के तहत बिहार निवास को तोड़कर नए सिरे से बनाया जाएगा। इसमें क्या दिक्कत है?

बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से मिले तेज प्रताप यादव

बिहार चुनाव में जनशक्ति जनता दल बनाकर चुनाव लड़ने वाले तेज प्रताप यादव ने डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से मुलाकात की। इससे पहले मंगलवार को तेज प्रताप यादव ने उपेंद्र कुशवाहा के बेटे और मंत्री दीपक प्रकाश से मुलाकात की थी। तेज प्रताप यादव ने इन दोनों मंत्रियों से हुई मुलाकात की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की है। इससे पहले राबड़ी देवी के जन्मदिन के दिन तेज प्रताप राबड़ी आवास भी पहुंचे थे। इस साल तेज प्रताप यादव भी मकर संक्राति पर चूड़ा-दही भोज का आयोजन करने वाले हैं। मंत्री दीपक प्रकाश और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से तेज प्रताप यादव की मुलाकात के पीछे इसी चूड़ा-दही भोज असली वजह है. तेज प्रताप यादव चूड़ा-दही भोज के लिए अलग-अलग नेताओं को आमंत्रित कर रहे हैं।

मस्जिद की संपत्ति का एक हिस्सा ढहाया गया

» एआईएमआईएम प्रमुख ने वक्फ संशोधन अधिनियम को जिम्मेदार ठहराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी नेआरोप लगाया कि दिल्ली में एक मस्जिद की वक्फ के स्वामित्व वाली संपत्ति के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया गया और उन्होंने इसके लिए वक्फ (संशोधन) अधिनियम को जिम्मेदार ठहराया। दिल्ली के रामलीला मैदान क्षेत्र में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान हिंसा भड़क गई क्योंकि एक सोशल मीडिया पोस्ट में तुर्कमान गेट के सामने स्थित मस्जिद को गिराने का दावा किए जाने के बीच कई लोगों ने पुलिस कर्मियों पर पथराव किया।

छत्रपति संभाजीनगर निकाय चुनाव के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, रात 1:30 बजे, तुर्कमान गेट के पास एक मस्जिद की संपत्ति को ढहा दिया गया। 1970 की गजट अधिसूचना के अनुसार यह एक वक्फ संपत्ति है। संसद में वक्फ अधिनियम पारित होने के बाद विध्वंस अभियान सिर्फ शुरुआत है। लोगों को देश में हो रही घटनाओं को समझना चाहिए और अपने वोटों के माध्यम से सत्तारूढ़ दलों को एक मजबूत संदेश देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 1970 में जारी एक राजपत्र अधिसूचना में संपत्ति को वक्फ भूमि घोषित किए जाने के बावजूद गलत आदेश पारित किया था। उन्होंने कहा, न्यायालय ने मस्जिद के मालिकाना हक पर फैसला किया जबकि उसके पास ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं था। दिल्ली वक्फ बोर्ड भी पुनर्विचार याचिका दायर नहीं करके उचित कानूनी कार्रवाई करने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि अब इस मामले को उच्चतम न्यायालय में ले जाया जाएगा। ओवैसी ने आरोप लगाया कि वक्फ अधिनियम, जिसे उन्होंने काला कानून कहा, का इस्तेमाल मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों को जब्त करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह कानून प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एकनाथ शिंदे, अजित पवार और चंद्रबाबू नायडू के समर्थन से बनाया था।

टी-20 विश्वकप से पहले लगा भारत को बड़ा झटका

» तिलक वर्मा चोटिल, न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से हो सकते हैं बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को पेट में चोट लगी है, जिसके कारण उन्हें सर्जरी की सलाह दी गई है। इससे वे न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली महत्वपूर्ण टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं, जो 2026 टी20 विश्वकप से पहले आखिरी तैयारी का मौका था। यह चोट भारत की वर्ल्डकप तैयारियों के लिए चिंताजनक मानी जा रही है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, 23 वर्षीय तिलक वर्मा विजय हजारे ट्रॉफी में हैदराबाद की ओर से खेल रहे थे, जब नाश्ते के बाद अचानक उन्हें पेट में तेज दर्द हुआ। स्थिति गंभीर होती देख उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जांच में पता चला कि उन्हें एब्डॉमिनल चोट है और मेडिकल टीम ने सर्जरी की सलाह दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टर्स ने तिलक को तीन से चार हफ्ते आराम की सलाह दी है। इसका मतलब है कि वह 21 जनवरी से शुरू होने वाली भारत-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज से बाहर रह सकते हैं। यह सीरीज विश्व कप से पहले भारत का अंतिम असाइनमेंट है, इसलिए इस चोट का समय बेहद संवेदनशील है ।तिलक वर्मा पिछले एक साल में टीम इंडिया के टी20 सेटअप में एक अहम चेहरा बन चुके हैं। उनकी उपस्थिति मध्यक्रम में स्थिरता और बाएं हाथ का विकल्प देती है, जो वर्ल्डकप के लिए जरूरी माना जा रहा था। ऐसे में उनका बाहर होना चयन और बैलेंस दोनों पर असर डाल सकता है। टीम प्रबंधन न्यूजीलैंड सीरीज के लिए रिप्लेसमेंट की घोषणा कर सकता है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक शुबमन गिल के रिप्लेसमेंट के रूप में चुने जाने की संभावना कम मानी जा रही है। रियान पराग टीम में शामिल होने के सबसे बड़े दावेदार हैं, बशर्ते वे अपने शोल्डर इंजरी से पूरी तरह उबर जाएं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर फिट घोषित

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से मेडिकल क्लियरेंस मिलने के बाद अब वह आगामी वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। 31 वर्षीय अय्यर को फिटनेस शर्त के साथ भारतीय टीम में शामिल किया गया था। चयनकर्ता और मेडिकल टीम उनकी लंबे समय से चली आ रही चोट के बाद वापसी को लेकर सतर्क थे और घरेलू क्रिकेट में उनके प्रदर्शन व शरीर की प्रतिक्रिया पर करीबी नजर रखी जा रही थी। अय्यर ने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित की। हिमाचल प्रदेश के खिलाफ कप्तानी करते हुए उन्होंने नंबर चार पर बल्लेबाजी की और 53 गेंदों में शानदार 82 रन बनाए। इस पारी के दौरान या उसके बाद उन्हें किसी तरह की शारीरिक परेशानी नहीं हुई, जिससे उनकी मैच फिटनेस को लेकर सभी आशंकाएं दूर हो गईं। पहले उम्मीद की जा रही थी कि अय्यर 8 जनवरी को पंजाब के खिलाफ मुंबई का अगला मैच खेलने के बाद औपचारिक रूप से फिट घोषित होंगे। लेकिन सीओई के मेडिकल स्टाफ उनकी रिकवरी और फिटनेस से संतुष्ट थे, जिसके चलते उन्हें तय समय से पहले ही क्लियरेंस दे दिया गया।

रियासी के छात्रों को स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया : उमर

» बोले- दक्षिणपंथी संगठनों का जश्न मनाना अनुचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज के छात्रों को तत्काल उनके गृह नगरों के पास के संस्थानों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय एनएमसी के चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी) द्वारा जम्मू कश्मीर के रियासी में श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस को दिये गये अनुमति पत्र को न्यूनतम मानकों का पालन नहीं करने पर वापस लेने के एक दिन बाद घोषित किया गया।

एमएआरबी ने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए काउंसलिंग के दौरान कॉलेज में प्रवेश पाने वाले सभी छात्रों को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जम्मू कश्मीर के अन्य चिकित्सा संस्थानों में अतिरिक्त सीट के रूप में समायोजित किया जाएगा। एमएआरबी का यह आदेश भाजपा समर्थित दक्षिणपंथी संगठनों के हाल ही में गठित समूह 'संघर्ष समिति' द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन की पृष्ठभूमि में आया है, जिसमें कॉलेज में प्रवेश रद्द करने और माता वैष्णो देवी में आस्था रखने वाले छात्रों के लिए विशेष रूप से सीट आरक्षित करने की मांग की गई है।

मुख्य अभियंता ने एई व जेई से मांगा जवाब

» दो महीने से वेतन गायब था व स्ट्रीट लाइट ठप थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को लेकर 4पीएम में प्रकाशित खबर का आखिरकार असर देखने को मिला है। मार्ग प्रकाश विभाग के मुख्य अभियंता मनोज प्रभात ने मामले का संज्ञान लेते हुए सहायक अभियंता और अवर अभियंता को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया है। दोनों अधिकारियों से दो दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। गोमती नगर विस्तार जैसे विकसित और महत्वपूर्ण इलाके में स्ट्रीट लाइटों का बंद पड़ा होना नगर निगम की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

4पीएम की खबर पर जागा नगर निगम

जबकि इस क्षेत्र को नगर निगम द्वारा हैंडओवर लिए हुए काफी समय बीत चुका है, इसके बावजूद हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे।इस पूरे मामले में अब एक अहम और चौंकाने वाली वजह सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, गोमती नगर विस्तार में स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव में लगे कर्मचारियों को पिछले दो महीनों से वेतन नहीं मिला है। वेतन न मिलने से नाराज कर्मचारी काम पर जाना ही बंद कर चुके हैं, जिसके चलते क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है।सूत्र बताते हैं कि कर्मचारियों की इस समस्या की जानकारी विभागीय अधिकारियों को पहले से थी, लेकिन इसे लगातार नजरअंदाज किया गया।

नोटिस जारी, लेकिन क्या जिम्मेदारी तय होगी

मुख्य अभियंता द्वारा एई और जेई को नोटिस जारी कर देना क्या पर्याप्त है? जब कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलेगा, तो काम आखिर कौन करेगा-यह सवाल अब खुलकर सामने आ गया है। केवल नोटिस जारी कर अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। अंधेरे के कारण राहगीरों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं अपराध की आशंका भी बनी रहती है।

बंगाल में ईडी की रेड से लाल हुई सियासत

आईपीएसी के दफ्तर पर ईडी का छापा, नेताओं ने खोया आपा, भाजपा व टीएमसी में वार-पलटवार

» रेड वाली जगह पहुंचीं ममता बनर्जी, बोलीं- भाजपा के इशारे पर हुई छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला घोटाले को लेकर कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म आईपीएसी के दफ्तर में छापेमारी की। इस छापेमारी के बाद से नेताओं का आपा खो गया। भाजपा व टीएमसी में वार पलटवार भी जोरों पर जारी है।

टीएमसी प्रमुख ने छापेमारी के बाद गृहमंत्री अमित शाह पर जोरदार हमला किया। उधर प्रतिक्रिया देने में भाजपा भी पीछे नहीं रही। बता दें आईपीएसी के प्रमुख प्रतीक जैन के घर पर भी छापेमारी की गई है। यह रेड कोयला घोटाले के मामले में की जा रही है। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी आईपीएसी के दफ्तर पहुंच गईं।

गृहमंत्री के इशारे पर हो रही कार्रवाई : ममता बनर्जी

आईपीएसी ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए काम करती है। ईडी की रेड के दौरान ममता बनर्जी आईपीएसी के दफ्तर से फाइल लेकर बाहर आ गईं। उन्होंने कहा, क्या ईडी और गृहमंत्री का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और मतदाताओं की सूची जब्त करना है? यह सब हमें करने के लिए जानबूझकर किया जा रहा है। यह सब गृहमंत्री के इशारे पर हो रहा है। ममता ने कहा, ईडी मेरी पार्टी के सभी दस्तावेज उठाकर ले जा रही है. अगर मैं भाजपा के पार्टी कार्यालय पर छापा डालूं तो क्या होगा? वह पश्चिम बंगाल में एसआईआरके जरिए मतदाताओं के नाम हटा रहे हैं। चुनाव के नाम पर वह मेरी पार्टी से जुड़ी सारी जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

बिहार-यूपी समेत 4 राज्य में 15 ठिकानों पर ईडी की छापामारी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार सहित देश के छह राज्यों में एक साथ छापेमारी की है। यह घोटाला शुरुआत में रेलवे से जुड़ा हुआ सामने आया था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर इसका दायरा 40 से अधिक सरकारी विभागों तक फैला पाया गया। इस कार्रवाई से जालसाज गिरोह के संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है। ईडी बिहार के मुजफ्फरपुर और मोतिहारी, पश्चिम बंगाल के कोलकाता, केरल, तमिलनाडु, गुजरात और उत्तर प्रदेश में कुल 15 ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रही है। सूत्रों के अनुसार संगठित गिरोह सरकारी विभागों के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करता था। इसके लिए वे आधिकारिक सरकारी डोमेन से मिलते-जुलते नकली ईमेल आईडी का इस्तेमाल कर उम्मीदवारों को भ्रमित करते थे। पीड़ितों का भरोसा जीतने के लिए गिरोह ने कुछ लोगों को रेलवे सुरक्षा बल, टिकट चेकर और तकनीशियन जैसे पदों पर नियुक्त दिखाया। इतना ही नहीं, कई मामलों में 2 से 3 महीने का शुरुआती वेतन भी दिया गया, ताकि नौकरी असली लगे और किसी तरह का संदेह न हो। इसके बाद अभ्यर्थियों से मोटी रकम वसूली जाती थी। ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि यह धोखाधड़ी केवल रेलवे तक सीमित नहीं थी। वन विभाग, आयकर विभाग, उच्च न्यायालय, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और बिहार सरकार सहित कई अन्य सरकारी संगठनों के नाम पर भी फर्जी नियुक्तियां दिखाई गईं। फिलहाल ईडी की कार्रवाई जारी है।

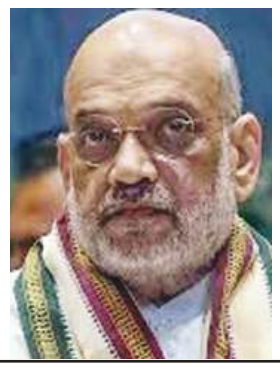

ममता बनर्जी संविधान का उल्लंघन कर रही हैं : शुभेंदु अधिकारी

ममता बनर्जी पर बीजेपी के नेता शुभेंदु अधिकारी का बयान सामने आया है। उन्होंने ममता पर केंद्रीय एजेंसी के कामों में रुकावट डालने के आरोप लगाए हैं, उन्होंने कहा, ममता बनर्जी संविधान का उल्लंघन कर रही हैं। वह केंद्रीय एजेंसियों के कामों में दखल दे रही हैं। ममता के घर छापा पड़ा तो 100 करोड़ रुपए मिलेंगे।

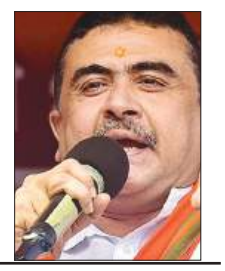

दिल्ली विधानसभा में अंतिम दिन भी हंगामा

» आप व भाजपा में तीखी नोंक-झोक, मंत्री कपिल मिश्रा की सदस्यता रद्द करने की मांग

» बीजेपी बोली- आतिशी को अयोग्य ठहराएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन भी जमकर हंगामा हुआ। भाजपा व आप में एकदूसरे पर खूब वार-पलटवार जारी रहा। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी की नेता और नेता विपक्ष आतिशी की सदस्यता रद्द करने को लेकर अंदर हंगामा शुरू कर दिया। विधायक गैलरी में बैठकर प्रोटेस्ट करने लगे। इसके विरोध में आम आदमी पार्टी के विधायक भी उतर आए और उन्होंने भी कपिल मिश्रा के इस्तीफे मांग की। आप विधायकों ने स्लोगन लिखी हुई तख्ती लेकर प्रोटेस्ट शुरू कर दिया।

दोनों दलों के विधायकों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया और मांग की कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो। बीजेपी की मांग है कि नेता विपक्ष आतिशी ने गुरु तेग बहादुर जी के खिलाफ अपशब्द कहे जिसके लिए वो सार्वजनिक माफी मांगें और उनकी सदस्यता भी रद्द की जाय. वहीं आप का कहना है कि कपिल मिश्रा की सदस्यता रद्द हो और विधायक निलंबित किए जाएं। बता दें दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा मंत्री रविंद्र इंद्रराज सिंह मंत्री कपिल मिश्रा के साथ अभय वर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष से मिलकर नेता प्रतिपक्ष आतिशी की सदस्यता रद्द कर उनके खिलाफ एफ आई आर दर्ज कर उचित कार्रवाई की मांग की थी। दरअसल दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने विधानसभा में एक गंभीर घटना को लेकर विपक्ष की नेता आतिशी पर कड़ा हमला बोला था।

आतिशी के खिलाफ सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार किया जा रहा

वहीं आप विधायकों का आरोप है की आतिशी के खिलाफ सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार किया जा रहा है जो वीडियो कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया पर ट्वीट किया है वह वीडियो फेक है और उसमें टेंपरिंग की गई है इसीलिए कपिल मिश्रा की सदस्यता रद्द की जाए। आप की मांग है कि जिन बीजेपी के विधायकों ने इस वीडियो को रिट्वीट किया है उन्हें 6 महीने के लिए सदन से सस्पेंड किया जाए और इसी मांग को लेकर आम आदमी पार्टी के भी विधायक सदन में प्रोटेस्ट करते हुए नजर आए।

असम विधानसभा चुनावों के पर्यवेक्षक बने डीके शिवकुमार व भूपेश बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और झारखंड के पूर्व विधायक बंधु तिर्की को पार्टी का वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक बयान में इस वर्ष की पहली छमाही में चुनाव कराने वाले पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों-असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी- के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की टीमों की घोषणा की। शिवकुमार, बघेल और तिर्की को वाड्रा का करीबी माना जाता है, जो एआईसीसी के महासचिव भी हैं।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल-बिल्ली चूहों की दुश्मन तो क्या उन्हें ले आएं?

» आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम सुनवाई जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर गुरुवार को फिर से सुनवाई शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा जानवरों से होने वाले खतरों और उन्हें नियंत्रित करने में नागरिक अधिकारियों की कथित कमियों को उजागर करने वाली याचिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया।

वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा, दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। कुत्तों को अचानक हटाने से क्या होता है? चूहों की आबादी बढ़ जाती है। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं। उनकी इस दलील पर न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने टिप्पणी की, क्या इसका आपस में कोई संबंध है? हमें बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि वे चूहों की दुश्मन हैं। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हमने गली के हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। उनके साथ नियमानुसार व्यवहार किया जाना चाहिए।सड़क से हर कुत्ते को हटाने का नहीं दिया निर्देश -सुप्रीम कोर्ट आवारा कुत्तों के मामले पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ में सुनवाई शुक्रवार के लिए स्थगित कर दी गई।

इस बीच पीठ ने अपने पहले के निर्देशों को स्पष्ट करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सड़कों से हर आवारा कुत्ते को हटाने का आदेश नहीं दिया गया था।

गोरखपुर मेडिकल कॉलेज से लखनऊ आए अमिताभ ठाकुर

» कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है। पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर जमीन धोखाधड़ी के एक मामले में देवरिया जेल में बंद थे। बुधवार की रात उनकी तबीयत बिगड़ने पर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। उन्हें हर्ट में दिक्कत की शिकायत थी। उन्हें फिलहाल लखनऊ भेज दिया गया है।

उधर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राय बीआरडी मेडिकल कॉलेज में पहुंचे थे, जहां पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर आईसीयू में भर्ती हैं। अजय राय का कहना है कि मैं उनसे मिलकर उनका हाल-चाल जानना चाहता था, लेकिन यहां स्थानीय पुलिस ने मुझे और मेरे साथियों को अंदर जाने से रोक दिया। उनका कहना है कि आपके पास कोई परमिशन लेटर हो तो दिखाइए अन्यथा आपके अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। अजय राय का कहना है कि यह पूरी तरह अत्याचार और अन्य है। एक ईमानदार पूर्व आईपीएस अधिकारी एडमिट है और उससे किसी को मिलने नहीं दिया जा रहा।

अमिताभ ठाकुर के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा : अजय राय

अजय राय का आरोप है कि वहां उपस्थित पुलिसकर्मियों ने उन्हें गैलरी में ही रोक लिया और अमिताभ ठाकुर से मिलने नहीं दिया गया। आखिर क्यों प्रदेश सरकार ऐसा कर रही है? अमिताभ ठाकुर एक ईमानदार आईपीएस अधिकारी रहे हैं। उन्होंने कई मुद्दों को जनता के सामने रखा है, हालिया कोडीन कफ सिरप मामले में भी कई साक्ष्य उन्होंने जनता के समक्ष रखे थे। उक्त मामले में प्रदेश की योगी सरकार ढुलमुल रवैया अपनाए हुए हैं। देवरिया जेल में भी मैं उनसे मिलने गया था, लेकिन वहां भी मुझे नहीं मिलने दिया गया। उन्होंने देवरिया जेल प्रबंधन पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वहां भी अमिताभ ठाकुर जी को प्रताड़ित किया जा रहा है। अजय राय ने प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि अमिताभ ठाकुर के साथ जिस तरह का अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। मैं उसकी भर्त्सना करता हूं। यदि उनके साथ कोई भी अप्रिय घटना घटती है, इसकी जिम्मेदार वर्तमान की योगी सरकार होगी।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा